विचारार्थ विषय
वरिष्ठ परामर्शदाता (विधिक)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी), नई दिल्ली स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से पूर्णतया संविदात्मक आधार पर उपर्युक्त पद के लिए योग्य अभ्यार्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित करता है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का एनएचएम प्रभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) से संबंधित विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में प्रयोजनमूलक अपेक्षाओं तथा उपयुक्तता के आधार पर निम्नलिखित ब्यौरे के अनुसार संविदा आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए, जिसे बढ़ाया जा सकता है, वरिष्ठ परामर्शदाता (विधिक) की सेवाएं नियोजित करने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। अपेक्षाओं को पूरा करने वाले आवेदकों से 3 सप्ताह के भीतर आवेदन-पत्र प्रेषित करने का अनुरोध किया जाता है:

अर्हता: किसी मान्यताप्राप्त संस्थान विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक डिग्री।

अनुभव: विधिक मामलों में 10-15 वर्ष का अनुभव जिसमें केंद्र सरकार में 2-4 वर्ष का अनुभव होना चाहिए और निम्नलिखित क्षेत्रों में जानकारी होनी चाहिए:-

i) उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के स्तर पर भर्ती/स्थापना/ संविदात्मक मामलों सहित अदालती मामलों/ विवाचन मामलों का प्रबंधन,
ii) विधि/विधान की जांच और विश्लेषण का अनुभव;
iii) सरकारी प्रशासनिक विनियमों का अच्छा ज्ञान/विधिक प्रक्रियाओं/श्रम कानूनों/विवाचन मामलों का अच्छा ज्ञान;
iv) धारा प्रवाह अंग्रेजी लिखने और बोलने की क्षमता/ विधिक प्रारुप तैयार करने में कुशलता; और
v) जन-स्वास्थ्य प्रणाली और एनएचएम जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी।

कार्य की जिम्मेदारी में एनएचएम प्रभाग को सहयोग प्रदान करने सहित निम्नलिखित कार्यों के अलावा अन्य कार्य भी सौंपे जा सकते हैं:-

क) एनएचएम प्रभाग से संबंधित विधिक मामले।
ख) विधि/विधान संबंधी मामलों की जांच और विश्लेषण करना तथा सलाह देना।
ग) विधिक मामलों से संबंधित विभिन्न फोरमों में केस दर्ज करने के लिए दस्तावेज तैयार करना।
घ) दस्तावेजों की विधिक पुनरीक्षण के संबंध में सलाह और जानकारी देना।
ङ) एनएचएम प्रभाग द्वारा सौंपे गए अन्य सभी कार्यों को निष्पादित करना।
च) एनएचएम की यूनिटों और / अथवा अन्य सलाहकारों के समन्वय से कार्य करना।
छ) केस लॉ को उद्धृत करने और उसे प्रस्तुत करने में समर्थ होना।
ज) सरकारी काउंसलरों और अन्य प्राधिकारियों के साथ समन्वय करना।
झ) देश के उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित पड़े मुकदमों की प्रगति की नियमित रूप से मानिटरिंग करके एनएचएम प्रभागों को सहायता प्रदान करना।
ञ) भारत संघ के विधिक प्रतिनिधियों / एएसजी के साथ समन्वय करना।
ट) उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय में लंबित पड़े हुए मुकदमों के लिए विभिन्न आवेदन एवं याचिकाओं का पैरावार / बिंदु-दर-बिंदु उत्तर का मसौदा तैयार करना।
ठ) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के भीतर तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के बाहर सभी संबद्ध पक्षकारों के साथ समन्वय करना और पत्र व्यवहार करना।
ड) भारत संघ अर्थात स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से काउंटर शपथ-पत्र, शपथ-पत्रों और उत्तरों का मसौदा तैयार करना।

ढ) महत्वपूर्ण मुकदमों की सुनवाई में उपस्थित होना और केंद्र सरकार के काउंसलरों एवं एलडीएसजी को मामलों के बारे में सक्षिप्त ब्यौरा देना।

आयु: आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख को आवेदक (व्यक्ति) की आयु 45 वर्ष तक होनी चाहिए और उसे पूर्ण रूप से स्वस्थ होना चाहिए ताकि वह फील्ड दौरे कर सके।

संविदा की अवधि: शार्टलिस्ट प्रक्रिया, जिसमें शार्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार भी शामिल है, के उपरांत चयन किए गए अभ्यर्थियों को शुरूआत में एक वर्ष की अवधि पर पूर्णतया संविदा आधार पर नियुक्त करने हेतु विचार किया जाएगा, जिसे कार्यात्मक अपेक्षाओं एवं उपयुक्तता के अध्यधीन बढ़ाया जा सकता है।

पारिश्रमिकः पारिश्रमिक 0.90-1.30 लाख प्रति माह के बीच होगा।

आवेदन की प्रक्रियाः कैंडिडेट्स को अनुरोध किया जाता हैं के वह निर्धारित आबेदन पत्र को डाउनलोड करे और विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र के ई-मेल nhm.recruitment@nhsrcindia.org **में दिनांक 13-Feb-2017 को अपराह्न्न 4 बजे तक** अवश्य भेज दे। **केवल निर्धारित TOR** के सहित संलग्न आवेदन पत्र **में ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। किसी अन्य प्रारूप में प्रस्तुत आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।**